

डायनासोर और यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क टैग

प्रलिमिंस के लिये:

[भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण](#), [यूनेस्को वैश्विक जियो पार्क](#), [करटिशियस काल](#), [मंगोलियाई गोबी रेगसिस्तान](#), [भू-वरिसत स्थल](#), [भू-आकृतियाँ](#), [पर्वत शृंखलाएँ](#), [हमिनद](#), [मेसोजोइक युग](#), [पँजिया](#), [युकाटन परायद्वीप](#) ।

मेन्स के लिये:

भारत के भू-वरिसत स्थल और यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क टैग ।

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

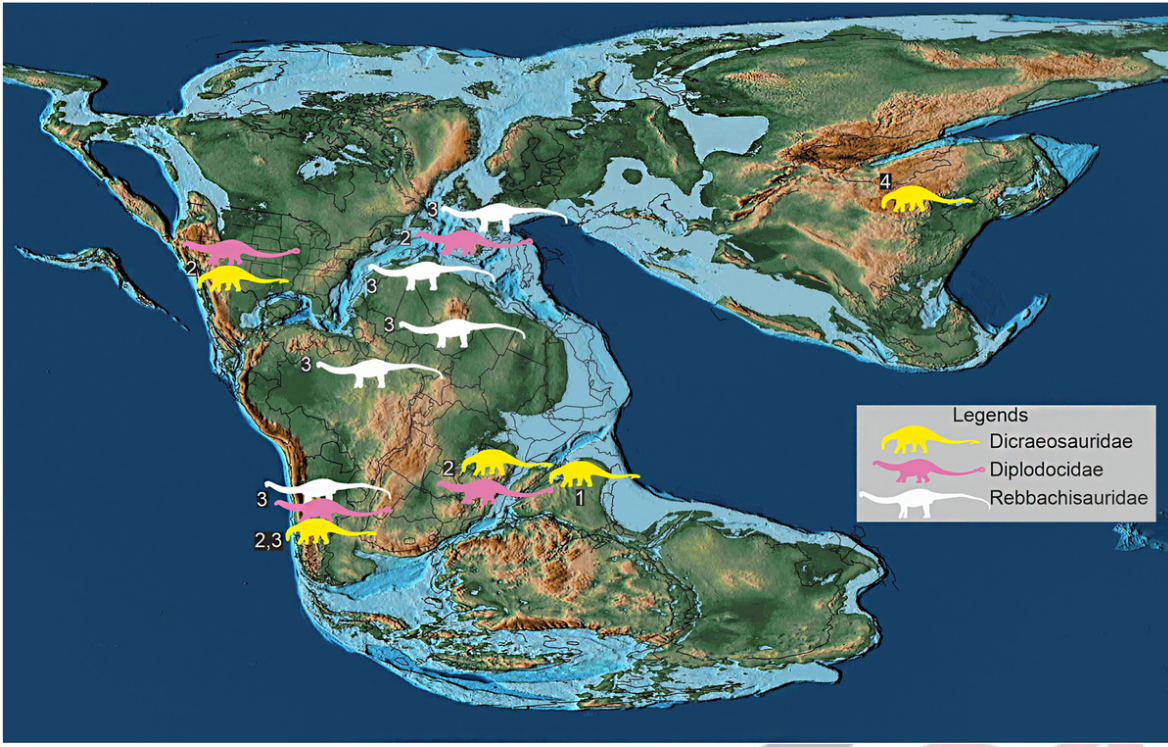
[भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण](#) द्वारा गुजरात के रायली गाँव में स्थित डायनासोर जीवाश्म पार्क एवं संग्रहालय, को यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क का दर्जा प्राप्त कराने का प्रयास किया जा रहा है ।

गुजरात के डायनासोर जीवाश्म पार्क और संग्रहालय के बारे में मुख्य बटु क्या हैं?

- भू-वैज्ञानिक महत्त्व: वर्ष 1980 के दशक के प्रारंभ में [भू-वैज्ञानिकों](#) ने डायनासोर की हड्डियों और अंडों के जीवाश्म की खोज की थी ।
 - [Rajasaurus Narmadensis](#) और [Raholisaurus Gujaratensis](#) की हैं, जो लेट क्रेटेशियस पीरियड (लगभग 67 मिलियन वर्ष पूर्व) के माँसाहारी डायनासोर थे ।
- वैश्विक स्थिति: यह विश्व में सबसे बड़ी डायनासोर एग हैचरी में से एक है, जो ऐक्स-एन-प्रोवेंस (फ्रांस) और मंगोलियाई गोबी रेगसिस्तान के बाद विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है ।
- अंतरराष्ट्रीय महत्त्व: वर्ष 1990 के दशक में इस स्थल ने अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया, जब 50 जीवाश्म वैज्ञानिकों का एक दल डायनासोर के अंडों का अध्ययन करने के लिये यहाँ आया ।

भारत में डायनासोर का इतिहास क्या है?

- डायनासोर की खोज: एशिया में सर्वप्रथम डायनासोर की हड्डियाँ भारत में वर्ष 1828 में जबलपुर, मध्य प्रदेश में कैप्टन वलियम हेनरी स्लीमन द्वारा खोजी गई थीं, जिन्हें बाद में वर्ष 1877 में [Titanosaurus indicus](#) नाम दिया गया था ।
 - [Titanosaurus indicus](#), एक विशाल शाकाहारी डायनासोर था जिसका उद्भव क्रेटेशियस काल के अंत हुआ था ।
- डायनासोर जीवाश्म: मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात प्रमुख जीवाश्म समृद्ध क्षेत्र हैं जहाँ से बहुते से डायनासोर के कंकाल और अंडे प्राप्त हुए हैं ।
 - इस क्षेत्र में कई महत्त्वपूर्ण प्रजातियाँ खोजी गई हैं, जैसे [Rajasaurus Narmadensis](#) (शाकाहारी), [Raholisaurus Gujaratensis](#) (शाकाहारी), [Titanosaurus indicus](#) (माँसाहारी), और [Rajasaurus Narmadensis](#) (माँसाहारी) ।
- डायनासोर हैचरी: माना जाता है कि भारत विश्व की सबसे बड़ी डायनासोर हैचरी में से एक है, जहाँ जबलपुर (म.प्र.), बालासनोर (गुजरात) और धार ज़िले (म.प्र.) जैसे क्षेत्रों में प्रमुख डायनासोर हैचरी स्थल पाए गए हैं ।



यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क (भू-वरिसत स्थल) क्या हैं?

- **परिचय:** यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्त्वपूर्ण भू-वैज्ञानिक स्थलों के साथ एकीकृत ऐसे भौगोलिक क्षेत्र हैं जिन्हें संरक्षण, शिक्षा और सतत विकास हेतु समग्र दृष्टिकोण के साथ प्रबंधित किया जाता है।
 - **भू-वरिसत स्थल** ऐसे भौगोलिक क्षेत्र हैं जो अपनी वशिष्ट चट्टानी संरचनाओं, जीवाश्मों, खनजि संग्रहण या भू-आकृतियों के कारण भू-वैज्ञानिक महत्त्व के होते हैं।
- **पदनाम प्रक्रिया:** यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्कों को चार वर्षों के लिये नामित किया जाता है, जिसके बाद उनका पुनर्मूल्यांकन किया जाता है।
 - **ग्रीन कार्ड:** यदि कोई क्षेत्र संबंधित मानदंडों को पूरा करता है तो यह कार्ड प्रदान किया जाता है।
 - **पीला कार्ड:** यदि कोई क्षेत्र संबंधित मानदंडों को पूरा नहीं करता है तो यह कार्ड जारी किया जाता है तथा इसमें सुधार के लिये दो वर्ष का समय दिया जाता है।
 - **लाल कार्ड:** यदि कोई क्षेत्र पीला कार्ड जारी होने के बाद दो वर्षों के अंदर संबंधित मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है तो यह कार्ड जारी किया जाता है, जिससे उस क्षेत्र का दर्जा समाप्त हो जाता है।
- **वैश्विक स्थिति:** अब तक 48 देशों में कुल 213 यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क हैं लेकिन भारत में कोई ग्लोबल जियोपार्क नहीं है। उदाहरण के लिये, चीन में डाली-कांगशान यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क।
- **विविधता:** ऐसे भू-वरिसत स्थलों में ज्वालामुखी संरचनाएँ, जीवाश्म समृद्ध क्षेत्र, गुफाएँ, पर्वत शृंखलाएँ, हमिनद वशिष्टताओं के साथ खनजि समृद्ध क्षेत्र शामिल हो सकते हैं।

डायनासोर के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **डायनासोर प्रागैतहासिक काल के सरीसृप हैं जो लगभग 245 मिलियन वर्ष पूर्व पृथ्वी पर थे।**
 - **नॉन-एवियन डायनासोर (Non-Avian Dinosaurs)** के साथ पूर्वजों की समानता के कारण आधुनिक पक्षियों को डायनासोर का एक प्रकार माना जाता है।
- **डायनासोर का आकार:** कुछ डायनासोर विशालकाय (जैसे 22222222222222222222 , जिनका वजन 110 टन तक था) थे।
 - सबसे छोटी प्रजातियाँ जैसे कि **हमिगबर्ड**, डायनासोर का एवियन वंशज है।
- **वर्गीकरण:** डायनासोर को तीन प्रमुख समूहों में वर्गीकृत किया गया है।
 - **ऑरनिथिसकिया:** इसमें पौधे खाने वाले एवं चोंच वाले डायनासोर (जिनमें स्टेगोसॉरस और ट्राइसेराटॉप्स शामिल हैं) शामिल हैं।
 - **सॉरोपोडोमोर्फा:** इसमें डप्लोडोकस जैसे लंबी गर्दन वाले एवं विशालकाय शाकाहारी डायनासोर शामिल हैं।
 - **थेरोपोडा:** इसमें 22222222222222222222 और 22222222222222222222 जैसे माँसाहारी डायनासोर (जिनमें आधुनिक पक्षियों के पूर्वज भी शामिल हैं) शामिल हैं।
- **समयावधि:** अधिकांश डायनासोर **मेसोजोइक युग (245 से 66 मिलियन वर्ष पूर्व)** से संबंधित थे, जिसे तीन अवधियों में विभाजित किया गया है।
 - **ट्राइसेसिक (252-201 मिलियन वर्ष पूर्व):** सुपरकॉन्टिनेंट पैंजिया पर सरीसृपों का डायनासोर के रूप में विकास हुआ।
 - **जुरासिक (201-145 मिलियन वर्ष पूर्व):** इस अवधि में पृथ्वी ठंडी हो गई, जिससे पौधे और डायनासोर का विकास हुआ, जिनमें 22222222222222222222 भी शामिल था।
 - **क्रैटेशियस (145-66 मिलियन वर्ष पूर्व):** इस दौरान अधिक महाद्वीपों का नरिमाण होने के साथ डायनासोर की विविधता में वृद्धि हुई,

Eon	Era	Period	Epoch	MYA	Life Forms	North American Events								
Phanerozoic	Cenozoic (CZ)	Quaternary (Q)	Holocene (H)	0.01	Age of Mammals	Extinction of large mammals and birds Modern humans	Ice age glaciations; glacial outburst floods							
			Pleistocene (PE)											
		Tertiary (T)	Neogene (N)	Pliocene (PL)				2.6	Age of Reptiles	Placental mammals	Laramide Orogeny (W) Western Interior Seaway (W)			
				Miocene (MI)				5.3						
			Paleogene (PG)	Oligocene (OL)				23.0				Age of Amphibians	Early flowering plants	Sevier Orogeny (W)
				Eocene (E)				33.9						
		Paleocene (EP)		56.0				Age of Fishes	Dinosaurs diverse and abundant	Nevadan Orogeny (W) Elko Orogeny (W)				
		Mesozoic (MZ)	Cretaceous (K)					66.0	Age of Invertebrates	Mass extinction	Laramide Orogeny (W) Western Interior Seaway (W)			
	Jurassic (J)			145.0	Age of Reptiles	Early flowering plants	Sevier Orogeny (W)							
	Triassic (TR)			201.3	Age of Amphibians	Dinosaurs diverse and abundant	Nevadan Orogeny (W) Elko Orogeny (W)							
	Paleozoic (PZ)		Permian (P)		251.9	Age of Fishes	Mass extinction	Laramide Orogeny (W) Western Interior Seaway (W)						
			Pennsylvanian (PN)		298.9							Age of Amphibians	Coal-forming swamps Sharks abundant First reptiles	Supercontinent Pangaea intact Ouachita Orogeny (S) Alleghany (Appalachian) Orogeny (E) Ancestral Rocky Mountains (W)
		Mississippian (M)		323.2	Age of Fishes				Mass extinction	Antler Orogeny (W) Acadian Orogeny (E-NE)				
		Devonian (D)		358.9	Age of Fishes				First amphibians First forests (evergreens)	Antler Orogeny (W) Acadian Orogeny (E-NE)				
	Silurian (S)		419.2	Age of Fishes	First land plants Mass extinction	Antler Orogeny (W) Acadian Orogeny (E-NE)								
	Ordovician (O)		443.8	Age of Fishes	Primitive fish Trilobite maximum Rise of corals	Taconic Orogeny (E-NE)								
	Cambrian (C)		485.4	Age of Fishes	Rise of corals Early shelled organisms	Taconic Orogeny (E-NE)								
Proterozoic	Precambrian (PC, W, X, Y, Z)		541.0	Marine Invertebrates	Complex multicelled organisms	Supercontinent rifted apart Formation of early supercontinent Grenville Orogeny (E)								
			2500				Age of Fishes	Simple multicelled organisms	First iron deposits Abundant carbonate rocks					
Archean	Precambrian (PC, W, X, Y, Z)		4000	Age of Fishes	Early bacteria and algae (stromatolites)	Abundant carbonate rocks Oldest known Earth rocks								
Hadean	Precambrian (PC, W, X, Y, Z)		4600	Age of Fishes	Origin of life	Formation of Earth's crust								
			4600		Formation of the Earth									

नषिकरष

गुजरात का डायनासोर जीवाश्म पार्क प्रमुख डायनासोर जीवाश्मों एवं उनके अंडों को प्रदर्शित करने वाला एक महत्त्वपूर्ण स्थल है, जिससे भारत की समृद्ध जीवाश्म वरिसत्त प्रदर्शित होती है। अंतरराष्ट्रीय महत्त्व के साथ यह यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क पदनाम हेतु अनुकूल है, जो न केवल भू-पर्यटन एवं स्थानीय विकास में योगदान देने बल्कि पृथ्वी के भू-वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक इतिहास को संरक्षित करने पर केंद्रित है।

???????? ???? ???? ???? ???? :

प्रश्न: भारत में पाए गए डायनासोर जीवाश्म के भू-वैज्ञानिक और पुरावैज्ञानिक महत्त्व को बताते हुए भू-पर्यटन पर इसके संभावित प्रभावों का मूल्यांकन कीजिये।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

??????????:

Q. "छटा व्यापक वल्लोप /छटा वल्लोप" यह शब्द कसिकी वविचना के संदर्भ में समाचारों में प्रायः उल्लखिति होता है? (2018)

- (a) वशिव के बहुत से भागों में कृषि में व्यापक रूप में एकधान्य कृषि प्रथा और बड़े पैमाने पर वाणज्यिक कृषि के साथ रसायनों के अववि की प्रयोग के परिणामस्वरूप अच्चे देशी पारतित्त्र की हानि।
- (b) आसन्न भविष्य में पृथ्वी के साथ उल्कापण्डि की संभावित टक्कर का भय, जैसा कि 65 मिलियन वर्ष पहले हुआ था और जिसके कारण डायनोसोर की जातियों समेत अनेक जातियों का व्यापक रूप से वल्लोप हो गया।
- (c) वशिव के अनेक भागों में आनुवंशिकितः रूपांतरित फसलों की व्यापक रूप में खेती और वशिव के दूसरे भागों में उनकी खेती को बढ़ावा देना, जिसके कारण अच्चे देशी फसली पादपों का वल्लोप हो सकता है और खाद्य जैव-वविधिता की हानि हो सकती है।
- (d) मानव द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का अतशोषण/दुरुपयोग, प्राकृतिक आवासों का संवभिजन/नाश, पारतित्त्र का वनिश, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन।

उत्तर: (d)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/dinosaurs-and-unesco-global-geoparks-tag>

